
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ARJUN BATCH
कक्षा-12
इतिहास
अध्याय-1 | भाग-5
ईंट मनके तथा अस्थियां
हड़प्पा सभ्यता-एकदम BASIC से!

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. उपमहाद्वीप तथा उसके आगे से आने वाला माल
2. सुदूर क्षेत्रों से संपर्क
3. मुहरें



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उपमहाद्वीप तथा उसके आगे से आने वाला माल

- शिल्प उत्पादन हेतु माल प्राप्त करने के लिए हड़प्पावासी कई तरीके अपनाते थे।

1. नागेश्वर एवं बालाकोट जहां शंख उपलब्ध थे, बस्तियां स्थापित कर लीं।
2. शोर्तुघई (अफगानिस्तान) कीमती नीले रंग के लाजमर्द मणि के स्त्रोत के निकट था।
3. लोथल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

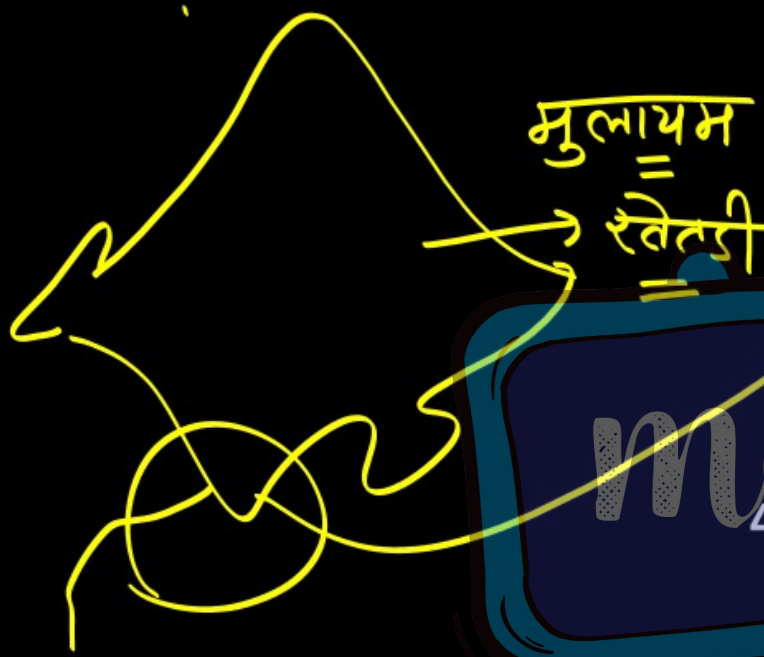

(a) कार्निलियन के स्त्रोत (गुजरात में भरुच)

(b) सेलखड़ी के स्त्रोत (दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात)

(c) धातु स्त्रोत (राजस्थान) के निकट था।

4. कच्चा माल प्राप्त करने के लिए राजस्थान में खेतड़ी से (ताँबा) तथा दक्षिण भारत (सोने के लिए) अभियान भेजकर संपर्क स्थापित करते थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- खेतड़ी क्षेत्र के साक्ष्यों को पुरातत्वविदों ने गणेश्वर जोधपुरा संस्कृति नाम दिया।
- यहां के मृदभांड हड़प्पा से भिन्न थे और तांबे की वस्तुओं के असाधारण भंडार के केंद्र थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

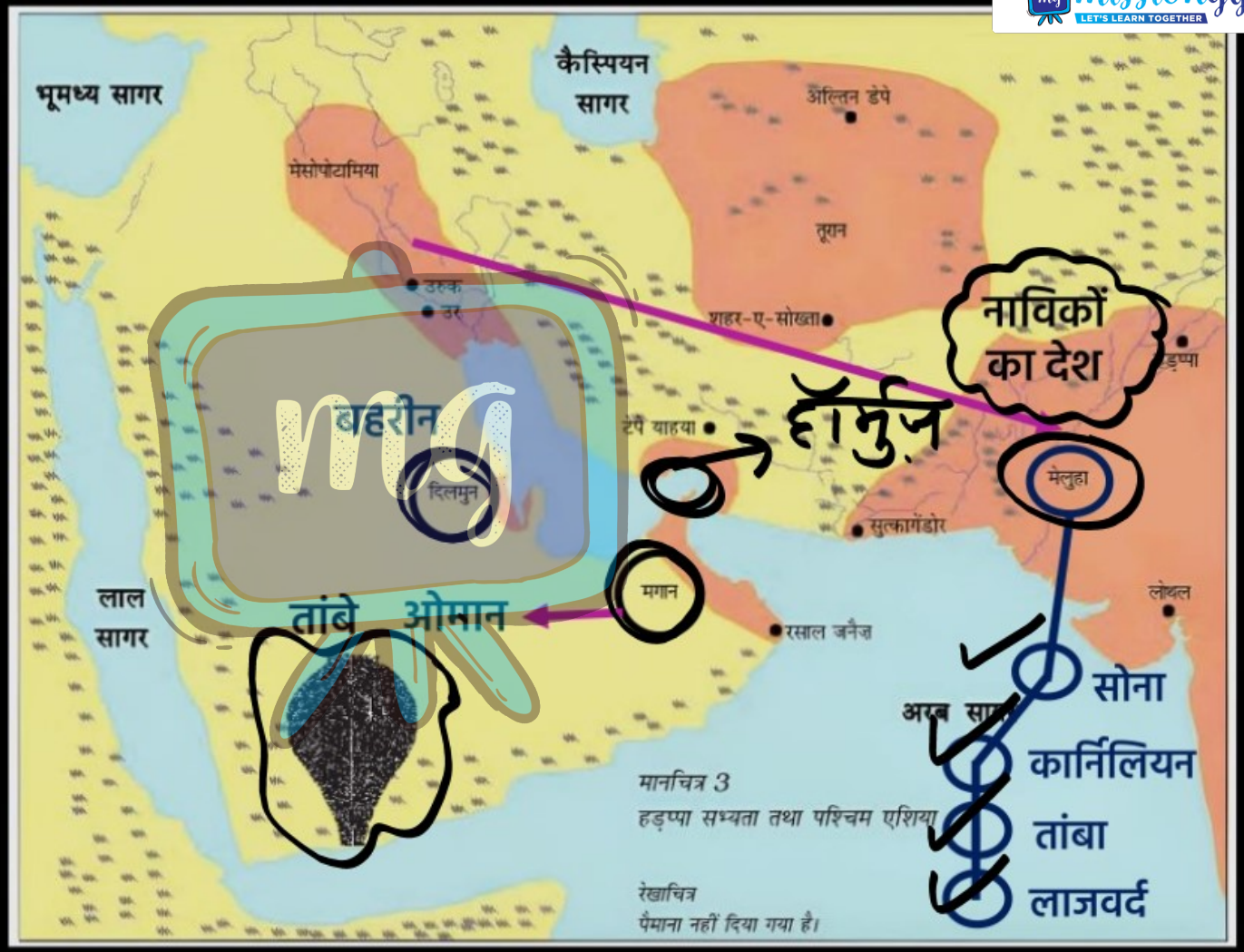

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- तांबा संभवतः ओमान, अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पूर्वी छोर से लाया जाता था।
- ओमानी तांबे और हड़प्पाई पुरावस्तुओं में निकल के अंश मिले हैं।
- मेसोपोटामिया के लेखों में मगान (ओमान) से तांबे के आगमन का उल्लेख मिलता है, जो लंबी दूरी के संपर्कों को दर्शाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

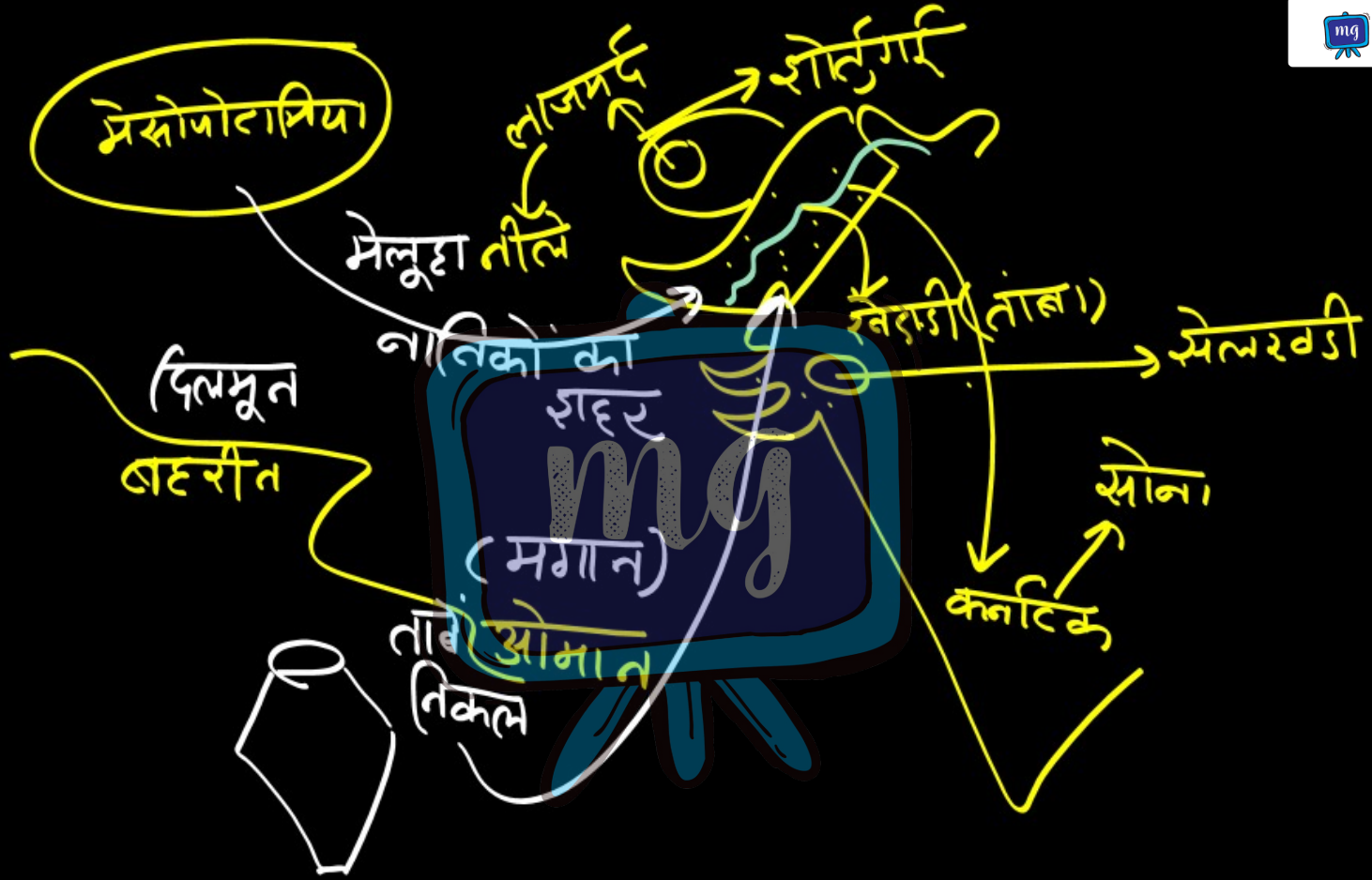

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- मेसोपोटामिया के लेखों से दिलमुन (बहरीन द्वीप), मगान (ओमान), मेलुहा (हड़प्पाई क्षेत्र) से संपर्कों की जानकारी मिली है तथा इन लेखों में मेलुहा से कार्निलियन, लाजवर्द मणि, ताँबा, सोना तथा विशिष्ट प्रकार की लकड़ी प्राप्त करने के भी उल्लेख हैं।

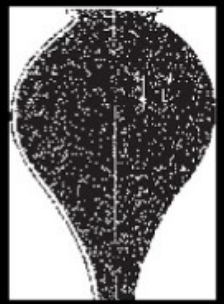

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- एक विशिष्ट हड़प्पाई मर्तबान, जिसके ऊपर काली मिट्टी की परत चढ़ाई जाती थी, ओमानी स्थलों से मिला है।
- काली मिट्टी तरल पदार्थ के रिसाव को रोकती थी।
- संभवतः हड़प्पाई लोग इसमें रखे सामान के बदले ओमानी तांबा लेते थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- मेसोपोटामिया से मेलुहा लोगों का संपर्क सामुद्रिक मार्ग से था, इसलिए वो मेलुहा को नाविकों का देश कहते थे। मोहर पर नाव का चिह्न यही दर्शाता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मुहरें

- मुहरों और मुद्रांकनों का प्रयोग लम्बी दूरी के संपर्कों को आसान बनाता था।
- सामान भरे थैले के मुख को रस्सी से बांधकर उसकी गाँठ पर गीली मिट्टी जमा करके मुहरों से दबा कर छाप डाल दी जाती थी।
- गंतव्य स्थान तक छाप वैसी ही अक्षुण्ण रहे तो किसी प्रकार की छेड़-छाड़ नहीं हुई है।
- मुद्रांकन से प्रेषक की पहचान हो जाती थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मुहरें

1

सम्पर्क

प्रेषक की पहचान

प्रतीक चिह्न

*. आद्य शिव

5



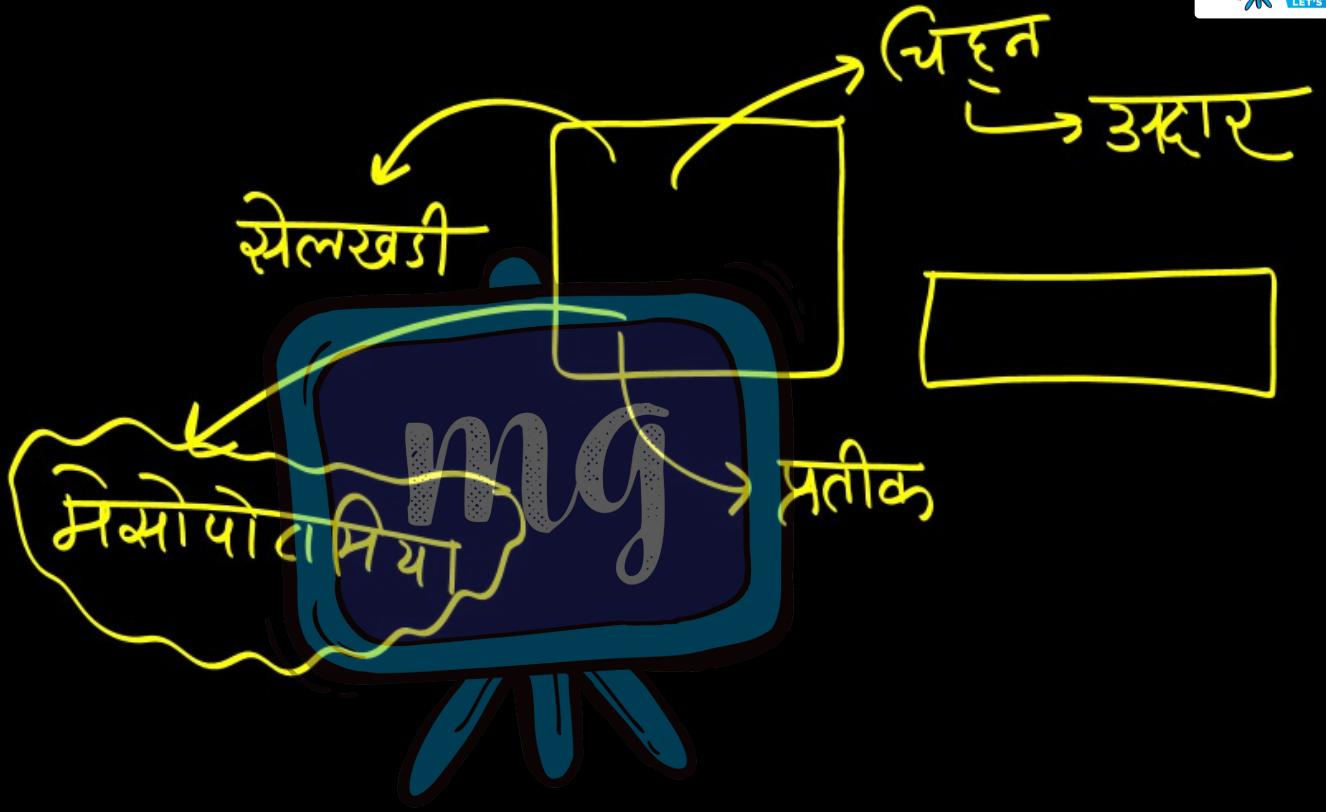
चिह्न
उदाहरण
खेलखड़ी
मिसोपोटामिया
प्रतीक

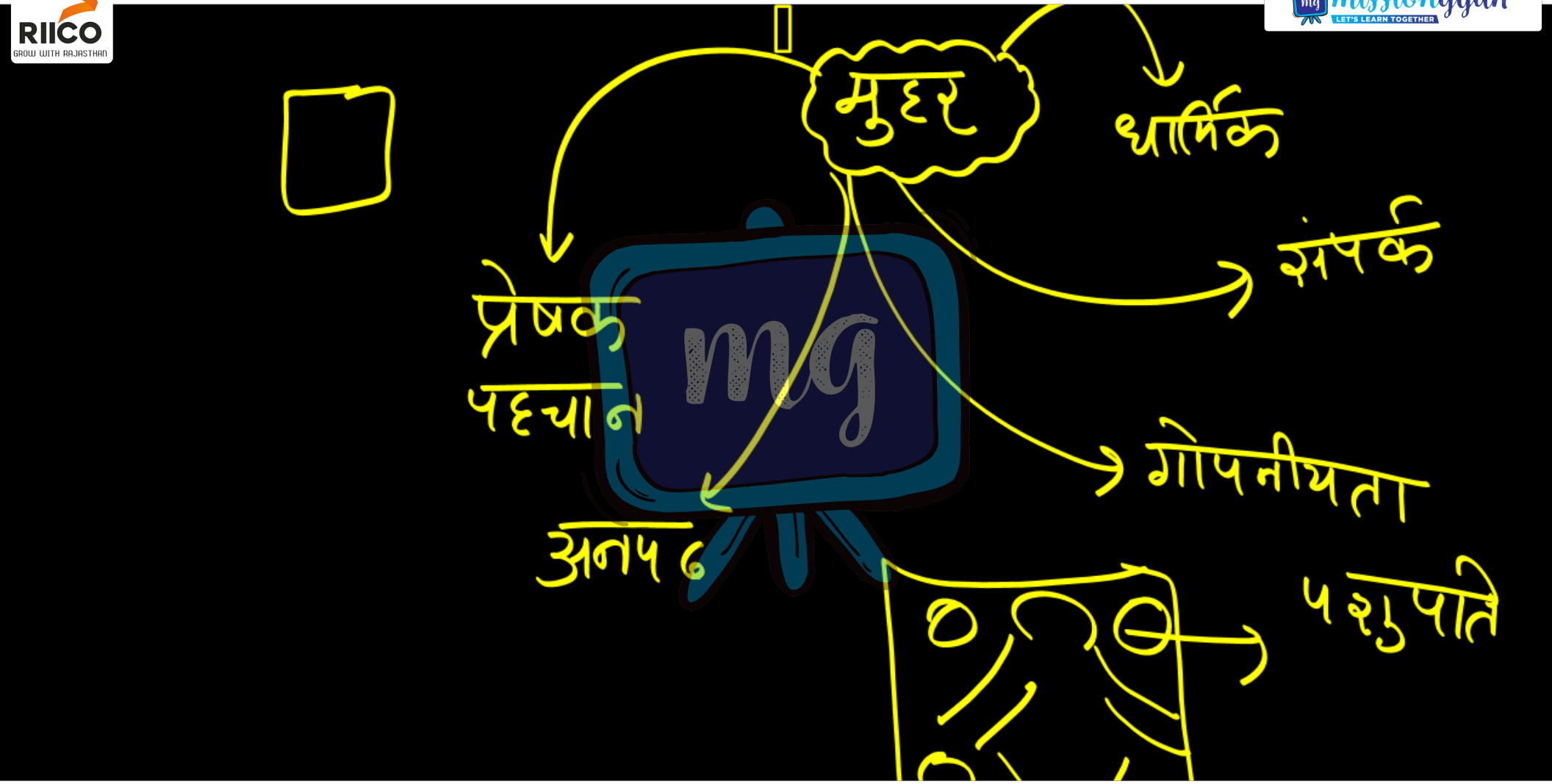
मुद्दा
धार्मिक
संपर्क
प्रेषक
पहचान
अनपढ़
गोपनीयता
पक्षपाती